भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 398
21 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

अजनूर मत्स्य बंदरगाह

398. श्री राजमोहन उन्नीथनः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत कासरगोड में अजनूर मत्स्य पालन बंदरगाह के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए केरल सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, यदि हां, तो ऐसे प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान केरल में मात्स्यिकी अवसंरचना के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) लंबित परियोजनाओं को कब तक स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी और उन्हें कार्यान्वित कर दिया जाएगा?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) केरल सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत वित्तीय सहायता के लिए केरल के कासरगोड जिले में अजनूर फिशिंग हार्बर के निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। इस प्रस्ताव की जांच की गई और मौजूदा फिशिंग हार्बर्स से इसकी निकटता, उच्च निर्माण लागत, पर्यावरण शमन उपायों में अतिरिक्त लागत और अजनूर से संबंधित मैकेनाइज्ड फिशिंग वेसल की सीमित संख्या के कारण इसे आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं पाया गया। इन कारणों से केरल सरकार को अवगत करा दिया गया था। केरल सरकार से अजनूर फिशिंग हार्बर के लिए कोई संशोधित प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(ख) पिछले तीन वित्तीय वर्षों (2023-24 से 2025-26) के दौरान, केरल सरकार को फिशिंग हार्बर इंफ्रास्ट्रक्चर सहित मत्स्यपालन विकास परियोजनाओं के लिए पीएमएमएसवाई के केंद्र प्रायोजित घटक के तहत 192.94 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी। वर्ष 2026-27 के दौरान, केरल सरकार को 30 करोड़ रुपये की मुख्य स्वीकृति जारी की गई थी। इसके अतिरिक्त, फिशिंग हार्बर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पीएमएमएसवाई के केंद्रीय क्षेत्र घटक के तहत 25 करोड़ रुपये भी जारी किए गए थे।

(ग) भारत सरकार, मत्स्यपालन विभाग ने केरल से प्राप्त मत्स्यपालन इंफ्रास्ट्रक्चर के सभी प्रस्तावों को प्रोसेस कर दिया है, और वर्तमान में कोई भी प्रस्ताव मंजूरी के लिए लंबित नहीं है।

****